

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दविस 2025

चर्चा में क्यों?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में [अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दविस](#) मनाया, जिसमें मानव प्रगत और परिवर्तन के सशक्त साधन के रूप में पढ़ने और लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बंदि

■ उत्पत्ति:

- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दविस की उत्पत्ति विरू 1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित 'शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन' से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य नरिक्षरता का उनमूलन था।
- इसी सम्मेलन से एक ऐसे दविस की परकिल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लयि समरपति हो।
- यूनेस्को ने वरू 1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दविस की घोषणा की तथा इसे पहली बार 8 सितंबर 1967 को मनाया गया। तब से यह प्रतविरू मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परविरतनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।

■ वषिय 2025: "डजिटिल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"

■ डजिटिल साक्षरता

- डजिटिल साक्षरता का आशय ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता से है।
- इसमें आलोचनात्मक चर्तिन (Critical Thinking) वकिसति करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटलि डजिटिल वातावरण में सुरक्षति रूप से मार्गदर्शन करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।

■ साक्षरता

- [राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण \(NSS\)](#) के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
- "सार्वभौमिक" शब्द का तात्पर्य सामान्यतः पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के नकिट होता है।
- [यूनेस्को](#) साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गनिने की क्षमता तक सीमति नहीं मानता, बल्कि इसे एक नरितर वकिसति होने वाला कौशल मानता है, जिसमें पहचानना, समझना तथा संप्रेषण करना शामिल है।
 - आधुनिक संदर्भ में यह डजिटिल, मीडिया तथा रोजगार-वर्षिष कौशलों तक वसितारति हो चुका है।

■ साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:

- [उल्लास \(\(समाज में सभी के लयि आजीवन शिक्षा को समझना\)](#)
- [राष्ट्रीय शिक्षा नीति \(NEP\) 2020](#)
- [नव भारत साक्षरता कार्यक्रम](#)
- [प्रौद्योगिकी संवर्द्धति अधगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम \(NPTEL\)](#)
- [सर्व शिक्षा अभियान प्रजज्ञाता](#)
- [राष्ट्रीय साक्षरता मशिन \(NLM\)](#)